मुद्रण निदेशालय

मुद्रण निदेशालय की स्थंपना 1863 में की गई थी ताकि भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों , संसद, निर्वाचल आयोग और दिल्ली प्रशासन की मुद्रण जरुरतों को पूरा किया जा सके । यह सरकार के गोपनीय और गुप्त दस्तावेजों का मुद्रण करता है ।

इसके नियंत्रणाधीन देशभर में भारत सरकार के 21 मुद्रणालय जिसमें 3 पाठ्यपुस्तक मुद्रणालय शामिल हैं जिनमें लगभग 10,000 व्यक्ति नियोजित हैं । अधिकांश मुद्रणालय पुरानी तथा आब्सोलीट प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है । इन्हें चरणबद्ध रुप से आधुनिकीकृत किया जा रहा है । रिंग रोड, नई दिल्ली में स्थित मुद्रणालय का आधुनिकीकरण कर लिया गया है । 16 मुद्रणालयों के आधुनिकीकरण का कार्य आंशिक रुप से पूरा कर लिया गया है ।

निदेशालय के प्रमुख मुद्रण निदेशक हैं जिनका कार्यालय निर्माण भवन,नई दिल्ली में स्थित है ।